# दैनिक भास्कर
राजस्थान

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

dainikbhaskar.com | जयपुर | शनिवार, 24 अक्टूबर, 2015, आश्विन, शुक्ल पक्ष-11, 2072

कुल पृष्ठ 32 | मूल्य ₹ 4.00


**सुविचार**

जीवन में पीछे जाकर शुरुआत नहीं की जा सकती, लेकिन आज शुरुआत कर एक नए अंत को अंजाम देना संभव है।
मारिया रॉबिन्सन

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | 27,470.81 | ↑ |
| पिछला | 27,287.66 | |
| सोना | 25,700.00 | – |
| पिछला | 25,700.00 | |
| चांदी | 37,200.00 | ↑ |
| पिछला | 36,900.00 | |
| डॉलर | 64.83 | ↓ |
| पिछला | 65.12 | |
| यूरो | 71.98 | ↓ |
| पिछला | 73.92 | |

**भास्कर ख़ास**

**पीपुल & प्लेज़र**

एनजेएसी मामला : तीन कानूनविद् जिन पर हैं निगाहें पढ़ें
पेज 21 पर

**न्यूज ब्रीफ**

### गायक अभिजीत पर महिला से छेड़छाड़ का केस दर्ज

**मुंबई** | बॉलीवुड गायक अभिजीत के खिलाफ एक महिला ने

छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया है। उन पर मुंबई के वर्सोवा स्थित गाला लोखंडवाला दुर्गा पूजा पंडाल में महिला से छेड़छाड़ का आरोप है।

### जम्मू में 30 फ्लाइटें कैंसिल 2500 से ज्यादा यात्री फंसे

**नई दिल्ली** | जम्मू-कश्मीर में तकनीकी खराबी के चलती 30 हवाई उड़ानों को कैंसिल कर दिया गया है। 2500 से ज्यादा यात्री फंस गए हैं। शुक्रवार को यहां एक भी विमान न तो उतरा और न ही उड़ान भर सका है।

### एपल वॉच 6 नवंबर को भारत में लॉन्च होगी

**नई दिल्ली** | भारत में 2.0 एपल वॉच 6 नवंबर को लॉन्च होगी। एपल इंडिया ने इसका ऐलान कर दिया है। इसकी कीमत 30 हजार से शुरू हो सकती है। कंपनी इसे सीमित संख्या में ही बेचेगी।

### भारतवंशी अशोक श्रीधरन जर्मन शहर के महापौर बने

**बर्लिन** | भारतवंशी अशोक श्रीधरन

ने बॉन शहर के महापौर की शपथ ली है। 49 वर्षीय श्रीधरन के पिता भारत से जर्मनी गए थे। उनकी मां जर्मन नागरिक हैं। वे चांसलर एजेंला मर्केल की पार्टी से हैं।

पहले राज्यों का शासन हमें सौंपे, फिर दादरी और कलबुर्गी पर सवाल करें : अमित शाह
भास्कर इंटरव्यू- पढ़ें देश-विदेश

**सूचना**

प्रिय पाठकों,
यदि आपको दैनिक भास्कर प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा हो रही हो तो इस नंबर पर संपर्क करें–
**9610448712**
संपर्क समय
सुबह 7:30 से शाम 5 बजे तक

**भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट**

भास्कर ने **चार महीनों** में प्रदेश के **10 जिलों** में **3000** किमी. की यात्रा कर **38** कुपोषण उपचार केंद्रों और **230** आंगनबाड़ी केंद्रों की जानी हकीकत। सचाई कुपोषित बच्चों की हालत की तरह दिल दहला देने वाली है। पढ़िए पूरी रिपोर्ट...

**1179 करोड़ सालाना खर्च**

**1.5 लाख कर्मचारी**

# रिकॉर्ड में 9891 बच्चों को कुपोषण, भास्कर को 10 जिलों में ही मिले 13 हजार से ज्यादा

हितेन्द्र शर्मा। जयपुर

शर्मनाक है यह। दो विभाग, डेढ़ लाख से ज्यादा कर्मचारी और हर महीने 100 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने के बावजूद हम 9891 बच्चों का इलाज भी ठीक से नहीं कर पा रहे। ये वे बच्चे हैं जिनका कुपोषण उपचार केंद्रों में साल 2014-15 के दौरान इलाज हुआ। सही मायनों में यह पूरी तरह सही तस्वीर भी नहीं है। सच हम आपको बताना चाहते हैं। हकीकत यह है कि ऐसे बच्चों की तादाद सरकारी रिकॉर्ड से कई गुना ज्यादा है जिनका इलाज कुपोषण उपचार केंद्रों में होना चाहिए था। भास्कर ने 10 जिलों के ग्रामीण इलाकों में सरकारी आंकड़ों के सच की पड़ताल की तो कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। हमें इस दौरान 3600 से ज्यादा ऐसे कुपोषित बच्चे मिले जिन पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। इन कुपोषित बच्चों का कोई सरकारी रिकॉर्ड नहीं है। यदि इनमें 2014-15 का आंकड़ा जोड़ दिया जाए तो यह 13,491 बैठता है। ये बच्चे बारां, डूंगरपुर, उदयपुर, राजसमंद, प्रतापगढ़, करौली, धौलपुर, श्रीगंगानगर, कोटा और बूंदी में थे। गौर करें, अति-कुपोषित बच्चों की सरकारी आंकड़ों से अलग संख्या हम सीमित साधनों के भरोसे सीमित दायरे में ही ढूंढ पाए। अगर 1179 करोड़ रु. से लैस लाखों कर्मचारियों का लश्कर कुपोषण से युद्ध में शामिल हो तो स्मार्ट सिटी और डिजिटल इंडिया में सहयोग देने वाला प्रदेश स्वस्थ राजस्थान के तौर पर देश में उभरेगा। कुपोषण से हारती जिंदगी की तस्वीर हमें तकरीबन हर जगह मिली। पांच साल तक की उम्र के ये बच्चे जिन्हें राजस्थान का भविष्य होना था वे अपनी सांसों को बचाने में लगे हैं।

**आप भी जानिए हैरान-परेशान करने वाली कुछ सचाइयां-**

**राजसमंद जिला अस्पताल** में भर्ती डेढ़ साल की हीरा के शरीर में खून (हीमोग्लोबिन) की मात्रा 2.5 ग्राम है। जबकि स्वस्थ बच्चे का हीमोग्लोबिन 11 ग्राम से ज्यादा होना चाहिए। कुपोषण की शिकार हीरा को जिंदा रखने के लिए खून चढ़ाया जा रहा है।

**डूंगरपुर जिले के आसपुर का सीएचसी**। कागजों में एमटीसी कार्यरत है। मौके पर भास्कर पहुंचा तो ताला लटका मिला। यहां जून 2012 से कोई कुपोषित बच्चा भर्ती नहीं हुआ। कारण कुपोषण का खत्म होना नहीं बल्कि डॉक्टर का पद खाली होना है।

### एमटीसी में नहीं, कागजों में भर्ती हैं बच्चे
पढ़ें 13 पेज

**कुपोषण का सरकारी सच**

**कहीं रिकॉर्ड ही नहीं, कहीं उपचार केंद्रों पर जड़े हैं ताले**

**कुपोषण से लड़ाई का सालाना खर्च 1179 करोड़ रुपए**

असलियत: कुपोषित बच्चों का सही रिकॉर्ड ही नहीं। कुपोषण के मामले में **राजस्थान का देश में पांचवां नंबर**।

**1.5 लाख कुल कर्मचारी, 47000 आशा कार्यकर्ता**

असलियत: पोषाहार वितरण पूरा नहीं, नहीं जाते मौके पर, कुपोषित बच्चों का **रेफरल सिस्टम फेल**

**दो विभाग, दो मंत्री, 7 आईएएस मॉनिटरिंग पर**

असलियत: स्वास्थ्य व आईसीडीएस में तालमेल तो दूर दुश्मनी जैसे हालात, **नहीं होती डेटा शेयरिंग, मॉनिटरिंग**

**147 कुपोषण उपचार केंद्र, 61 हजार आंगनबाड़ियां**

असलियत: 59 कुपोषण उपचार केंद्रों में एक भी बच्चे का इलाज नहीं हुआ। **कहीं तालाबंद तो कहीं डॉक्टर नहीं।**

**3 साल का मनु, वजन 6.6 किलो, 6 माह के बच्चे के बराबर**

**बारां का जिला अस्पताल**। किशनगंज तहसील के बीजना गांव का मनु बैड नं. 20 पर भर्ती है। शरीर जैसे हड्डियों का ढांचा। उम्र तीन साल है पर वजन छह माह के बच्चे के बराबर। सिर्फ 6.6 किलो वजनी मनु की हालत कुपोषण रोकने के दावों की सचाई बताती है। फोटो : जितेंद्र जोशी, कोटा

**सालाना खर्च 1179 करोड़ रु**

| | |
|---|---|
| महिला बाल विकास वि. | 900 लगभग |
| जननी सुरक्षा योजना | 194.08 |
| चाइल्ड हैल्थ | 24.40 |
| टीकाकरण | 60.88 |
| कुल | 1179.36 |

**राज्य की स्थिति**

74 बच्चे पांचवां जन्मदिन नहीं मना पाते (प्रति हजार में से)

सबसे ज्यादा 95 बांसवाड़ा
सबसे कम 47 कोटा

**कुपोषण : देश में हम**

नंबर 5 पर है राजस्थान देश में शिशु मृत्यु दर में। पहले नंबर पर उप्र है। इसके बाद मप्र, ओडीशा और असम।

54% बच्चों की मौत इनमें से कुपोषण के कारण। हम पोषण के मामले में बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ से भी पीछे हैं।

प्रदेश में 5 साल से छोटे 44% बच्चे कम वजन वाले, 24% कमजोर (स्टंटेड) और 20% अवरुद्ध विकास (वेस्टेड)

स्रोत : एनुअल हैल्थ सर्वे (2012-13) और एनएफएचएस-3

### हमने इस तरह ढूंढे कुपोषित बच्चे

- भास्कर टीम कुपोषण उपचार केंद्रों, आंगनबाड़ियों के अलावा उन गांवों तक पहुंची जहां वाहन भी नहीं जा सकते।
- उदयपुर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद, बारां, करौली, कोटा, श्रीगंगानगर के ग्रामीण इलाकों में बच्चों का वजन किया। हमें मानकों से कहीं कम वजन वाले बच्चे मिले।
- भास्कर टीम एमटीसी में इलाज करवा कर लौटे बच्चों से भी मिली। इन्हें फिर से कुपोषण है लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में वे ठीक हैं।

### मरीज नहीं आ रहे, इसलिए बंद मिला होगा एमटीसी

**स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव मुकेश शर्मा से सवाल-जवाब**

**Q रिकॉर्ड में 147 एमटीसी हैं जबकि काफी बंद हैं, ऐसा क्यों?**
शर्मा- जहां एमटीसी हैं, वे सब चल रहे हैं। ऐसा कहीं नहीं हैं कि डॉक्टर न हो।

**Q लेकिन हमने ग्राउंड पर कई एमटीसी पर ताले लगे देखे हैं?**
शर्मा- कहीं मरीज नहीं आया होगा तो बंद करके रखा होगा। ऐसा कोई इश्यू नहीं है।

## अवॉर्ड लौटाने पर लेखकों के विरोध में लेखक

**साहित्य पर सियासत**

**नई दिल्ली** | साहित्यकारों द्वारा पुरस्कार लौटाने से पैदा हुई स्थिति पर विचार करने के लिए शुक्रवार को बुलाई गई साहित्य अकादमी की बैठक खुद विवादों में घिर गई। बैठक से पहले पुरस्कार लौटाने वाले साहित्यकारों ने अकादमी के सामने काली पट्टी बांधकर विरोध मार्च किया। इसी दौरान सरकार समर्थक लेखकों ने भी प्रदर्शन किया।
**गुलजार बोले- ऐसे तो साहित्य अकादमी पर हो जाएगा नेताओं का कब्जा**
पढ़े देश-विदेश

**छापों से बौखलाए कारोबारियों का केंद्र के आगे प्रस्ताव**

## व्यापारी बोले-सस्ती दाल देंगे, स्टॉक लिमिट हटा दो

**मिल मालिकों की राज्य सरकार को पेशकश-सस्ती दाल बेचो, उपलब्ध हम कराएंगे**

**नई दिल्ली/जयपुर.** देशभर में लगातार छापेमारी से दालों के कारोबारी बौखला गए हैं। आयातकों ने केंद्र सरकार को रोज 100 टन दाल सप्लाई करने की पेशकश की है। आयातकों का कहना है कि वे कीमतों में कमी के लिए 135 रुपए किलो के रेट पर अरहर दाल की सप्लाई करेंगे। आयातकों ने स्टॉक होल्डिंग लिमिट भी हटाने की मांग की है.

सरकार ने पिछले दिनों दालों का स्टॉक रखने की सीमा तय कर दी थी। इधर जयपुर में मिल मालिकों ने राज्य सरकार को सस्ती दरों पर दाल सप्लाई की पेशकश की है। मिल मालिकों ने कहा है कि वे सरकार को मौजूदा कीमतों से पांच से 20 रु. तक सस्ती मूंग, चना और मटर दाल उपलब्ध कराने को तैयार हैं। मिल मालिक राशन डीलर्स को भी सस्ती दाल बेचने के लिए 1% कमीशन देने को तैयार हैं। शेष | पेज 6

**लगातार चौथे दिन छापे**

2311 क्विंटल दालें प्रदेशभर में जब्त।
384 क्विंटल दालें जयपुर में जब्त कीं।

**पांच दिन में 20 रु. सस्ती हुई अरहर**

| दाल | दाम | दाम घटे |
|---|---|---|
| अरहर | 185 | 20 |
| मूंग | 105 | 7 |
| चना | 65 | 5 |
| उड़द | 150 | 15 |

(खुदरा दाम रुपए/किलो)

## मोरक्को किंग का दौरा 3 दिन पहले ही रद्द, नहीं लगेगा दरबार

**शाही सामान भी जयपुर से लौटा**

**जयपुर** | मोरक्को के किंग सिदी मॉले मोहम्मद (षष्टम) जयपुर यात्रा पर नहीं आएंगे। तीन दिन पहले ही उनका यह दौरा रद्द हो चुका है। यह जानकारी देते हुए सामान्य प्रशासन विभाग के प्रोटोकॉल अफसरों के अनुसार किंग निजी यात्रा पर जयपुर आने वाले थे।

यात्रा की तैयारियों को लेकर मोरक्को से जयपुर आया दल भी गुरुवार सुबह ही मोरक्को लौट गया था। किंग का शाही साजो-सामान जयपुर पहुंचा था, वह भी विशेष विमान से दो दिन पहले मोरक्को रवाना चुका है। किंग निजी यात्रा पर थे, इसलिए सरकार ने उन्हें स्टेट गेस्ट का दर्जा भी नहीं दिया था।

## भ्रष्टाचार रोकने के लिए पुराने तरीके छोड़ें अफसर : सीवीसी

**एजेंसी | नई दिल्ली**

केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) ने सरकारी विभागों से कहा है कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए कामकाज के पुराने पड़ चुके तौर-तरीके छोड़ें। पूरी व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है ताकि इस बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसीजर अपनाएं। यानी नए मानकों के हिसाब से काम करें।

सीवीसी केवी चौधरी ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा, 'हमने सभी संगठनों के सीवीओ (मुख्य सतर्कता अधिकारी) से बात की है। उनसे उन जगहों का पता लगाने को कहा है, जहां भ्रष्टाचार की गुंजाइश रहती है। उसके मुताबिक, पुराने तौर-तरीकों की वजह से काम में देरी होती है। इससे रिश्वतखोरी की गुंजाइश पैदा हो जाती है।

**बयानों पर छिड़े विवाद के बाद गृहमंत्री ने दी नसीहत**

## यह कहकर नहीं बच सकते कि बयान तोड़ा गया : राजनाथ

**भास्कर न्यूज | नई दिल्ली**

साथी मंत्रियों की विवादित टिप्पणियों पर गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने एतराज जताया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि 'हम लोग यह कहकर नहीं बच सकते कि बयान तोड़-मरोड़कर पेश कर दिया गया। हमें बोलते समय सावधान रहना होगा।'

मामला विदेश राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह और गृह राज्यमंत्री किरेन रिजिजू से जुड़ा है। जनरल सिंह ने फरीदाबाद की घटना पर कहा था कि 'कोई कुत्ते को भी पत्थर मार दे तो क्या उसके लिए सरकार जिम्मेदार है?' जबिक रिजिजू ने कहा था कि 'उत्तर भारतीयों को कानून तोड़ने में मजा आता है।' विवाद के बाद दोनों मंत्री माफी मांग चुके हैं। शेष पेज 6

## चैनलों ने पैसे लिए, मैं सभी को कोर्ट ले जाऊंगा: जनरल सिंह

दलित बच्चों की हत्या पर जनरल वीके सिंह का बयान विवादों में है। जनरल अभी जकार्ता में हैं। फोन पर **उपमिता वाजपेयी** से बातचीत में उन्होंने कहा कि चैनल उनकी बातों को गलत पेश कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें पैसे दिए गए हैं। बातचीत के अंश...

**▪ सरकार आपसे नाराज है...**
पैसे दिए गए इस स्टोरी को बनाने के लिए। अलग-अलग सेंटिंसेज को जोड़ना और उसकी स्टोरी बनाना... फिर उसके अंदर सब न्यूज चैनल्स का शामिल हो जाना। ज्यादातर कांग्रेस के लोगों का कमेंट करना एक ही चीज दिखाता है। मोदी सरकार के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश है।

**▪ पीएम या गृहमंत्री ने कोई बात की?**
मेरे स्टेंटमेंट में कोई गड़बड़ हो तब तो कोई पूछेगा। इस बारे में मेरी किसी से बात नहीं हुई है। अरे मेरे स्टेंटमेंट में है क्या यार...?

**▪ तो क्या बिहार चुनाव को लेकर...**
बिल्कुल। इसके पीछे बड़ी चाल है। जिस पत्रकार ने और चैनल ने इसे शुरू में चलाया, पक्का उसे पैसे दिए गए हैं। मुझे कोई शक नहीं। आप इसे लिख सकती हो। जबरदस्ती इसे जोड़ा गया है। कांग्रेसियों ने पैसे देकर स्टोरी बनवाई है।

**▪ अब आप क्या करेंगे?**
ये तूल देने की कोशिश हो रही है। जो चैनल मेरा चरित्र हनन कर रहे हैं मैं सबके खिलाफ एफआईआर करूंगा। सबको कोर्ट में ले जाऊंगा। शेष पेज 6

**भास्कर ख़ास**

**जेपी मॉर्गन बैंक ने लिया था गणित का टेस्ट, नकल करते पकड़े गए, बिना हवाई टिकट घर को चलता किया**

# नौकरी से निकाले गए हार्वर्ड-कैम्ब्रिज के नकलची

**एजेंसी | न्यूयॉर्क**

ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैम्ब्रिज जैसी नामी यूनिवर्सिटियों की साख पर कुछ नकलचियों ने बट्टा लगा दिया है। इन नामी यूनिवर्सिटियों से निकले 32 होनहार छात्र 12वीं और ग्रेजुएशन लेवल के सामान्य गणित के टेस्ट में नकल करते पकड़े गए। जिसके बाद इन्हें दुनिया के दो टॉप बैंकों ने बाहर का रास्ता दिखा दिया।

सभी छात्र मैनेजमेंट, बैंकिंग और अकाउंटिंग के ग्रेजुएट्स थे। जो दुनिया के पांचवें सबसे बड़े बैंक जेपी मॉर्गन और टॉप इंवेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन साक्स में बतौर ट्रेनी ऑफिसर नौकरी कर रहे थे। इन्हें यहां जूनियर बैंकर्स कहा जाता है।

जेपी मॉर्गन टॉप यूनिवर्सिटियों से ही ट्रेनी हायर करता है। इनके लिए बीच-बीच में गणित और अकाउंट के इंटरनल टेस्ट होते हैं। जिन्हें पास करना जरूरी होता है। हाल ही जेपी मॉर्गन के न्यूयॉर्क ऑफिस में यह टेस्ट आयोजित हुआ। इसमें कोई चिट लेकर आया था, तो कोई दूसरे की कॉपी में देखकर जवाब लिख रहा था। इस बैच में ब्रिटेन से आए ट्रेनीज भी शामिल थे। चेकिंग स्टाफ ने 12 ब्रिटिश ट्रेनीज को नकल

करते पकड़ा। इनमें से ज्यादातर ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट हैं।

बैंक मैनेजमेंट ने इन नकलचियों को तुरंत ही नौकरी से बर्खास्त कर दिया। बर्खास्त किए नकलचियों से कहा गया है कि 'घर लौटने के लिए फ्लाइट के टिकट का इंतजाम खुद ही कर लें, बैंक टिकट के पैसे नहीं देगा।' जिस चेकिंग स्टाफ ने इन्हें पकड़ा उनका कहना है कि 'पता नहीं इन लोगों का ऑक्सफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटी और जेपी मॉर्गन में सलेक्शन कैसे हो गया? जांच तो इनको सलेक्ट करने वालों की होनी चाहिये। गणित का जो टेस्ट हुआ था उसे तो 12वीं का सामान्य बच्चा भी सुलझा दे। बड़े होनहार बनते हैं।' वहीं गोल्डमैन साक्स के न्यूयॉर्क और लंदन ऑफिस में भी इसी तरह का टेस्ट हुआ। यहां भी 20 ट्रेनी नकल करते पाए गए। जिन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। इनमें से ज्यादातर ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज के स्टूडेंट हैं।

## पाक ने फिर की फायरिंग, एक की मौत, दो घायल

**भास्कर न्यूज नेटवर्क | जम्मू**

पाकिस्तान ने कुछ दिन शांत रहने के बाद शुक्रवार को सांबा जिले के मंगूचक बीओपी इलाके में फिर से फायरिंग की। इसमें एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बीएसएफ के प्रवक्ता विनोद कुमार ने बताया कि इलाके में बीओपी के मजदूर पुल बनाने का काम कर रहे थे। शाम को अचानक मजदूरों को निशाना बनाकर पाकिस्तान की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई। इस तरफ से भी जवाब दिया गया। घायल हुए तीन मजदूरों को अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। वह छत्तीसगढ़ का रहने वाला था।

## सरकार ने 41 आरएएस को बनाया आईएएस

**अभी जहां तैनात हैं वहीं रहेंगे, शीघ्र जारी होगी तबादला सूची**

**पॉलिटिकल रिपोर्टर | जयपुर**

41 आरएएस अफसरों का आईएएस के लिए प्रमोशन किया गया है। इस संबंध में शुक्रवार को केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय ने आदेश जारी किए। 28 अफसरों को 2012, 2013 और 2014 की खाली सीटों के मुकाबले प्रमोशन दिया गया है जबकि 13 ऐसे हैं जिनका रिव्यू बोर्ड में नाम आया है। अधिसूचना में कुल 56 अधिकारियों के नाम हैं। इसमें 15 ऐसे अधिकारी हैं, जो पहले ही आईएएस बन चुके हैं, लेकिन इनकी वरिष्ठता अब तय की गई है। दो अफसरों के मामले अभी डैफर किए गए हैं। इनमें निष्काम दिवाकर और सोहनलाल पालीवाल का नाम शामिल बताया जा रहा है। कार्मिक विभाग का कहना है कि जिन आरएएस अफसरों का आईएएस के लिए प्रमोशन हुआ है, उनके स्थानांतरण के लिए अलग आदेश जारी किया जाएगा। अभी जो अफसर जहां तैनात है, उसी पद पर कार्यरत रहेंगे। आईएएस बनने वालों में मुख्यमंत्री के ओएसडी गजानंद शर्मा का भी नाम शामिल है।
नए आईएएस की सूची -पेज 12